संजीवनी परियोजना के अन्तर्गत परियोजना क्षेत्र में किचन गार्डेन से लाभ की स्थिति

परियोजना क्षेत्र– 26 गांव

ब्लाक– चकिया

जिला– चन्दौली

प्रदेश– उत्तर प्रदेश

मई–2024

1. संस्था की पृष्ठिभूमि–

Rural Organization for Social Advancement - “ROSA” एक समाज सेवी संस्था है। संस्था उत्तर प्रदेष के पूर्वी जिलों में विगत 20 वर्षो से जनहित में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। संस्था चन्दौली, आजमगढ़, गाजीपुर और बलरामपुर में निःषुल्क स्वास्थ्य एवं पोशण, शिक्षा जागरूकता, आजीविका हेतु सहायता, बाल संरक्षण पर बचावात्मक पहल, राहत सहायता, बालिका व महिला सषक्तिकरण, प्रवासी मजदूर के विकास की पहल, कुपोषित बच्चो को प्रतिदिन पोषण, स्वास्थ्य शिविर, महिला व बाल स्वास्थ्य व परामर्श के साथ युवाओ को रोजगार आदि के मुद्दे पर ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिला चन्दौली के विकास खण्ड चकिया के 11 ग्राम पंचायतों के 26 गांवों में स्वास्थ्य व पोषण के मुददे पर चाइल्ड राइट एंड यू, नई दिल्ली के सहयोग से अप्रैल 2017 से कार्य करती आ रही है।

2. अध्ययन के बारें में–

संजीवनी परियोजना कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष पोषण देखभाल के लिये किचन गार्डेन को सर्पोट किया गया है। उपलब्ध बजट के आधार पर सब्जी के बीज परियोजना से निःशुल्क प्रदान किया गया। उद्यान विभाग के द्वारा दिलवाने में सहयोग किया गया और स्थानीय स्तर पर सहजन की नर्सरी तैयार कर संजीवनी माता समूहों के सदस्यों के घरो में लगवाया गया। परियोजना द्वारा कुपोषित परिवारो को निःशुल्क अमरूद के पौधे दिया गया। नियमित आधार पर किशोरी, गर्भवती, दूध पिलाती महिलाओं और कुपोषित बच्चो के परिवारों को परामर्श में किचन गार्डेन बनाने और उसके उत्पाद का भोजना के रूप में उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

3. अध्ययन की प्रक्रियाः–

हमने इस अध्ययन को गूगल फार्म के सहयोग से किया। फार्म विकसित कर उसका टेस्ट किया गया और फिर समुदायिक कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र के 107 किचन गार्डेन परिवार के साथ बातचीत कर फार्म में सूचनाओं को भरा। उन्ही सूचनाओं के आधार पर यह रिर्पोट तैयार की गयी है।

4. कबरेज एरियाः—

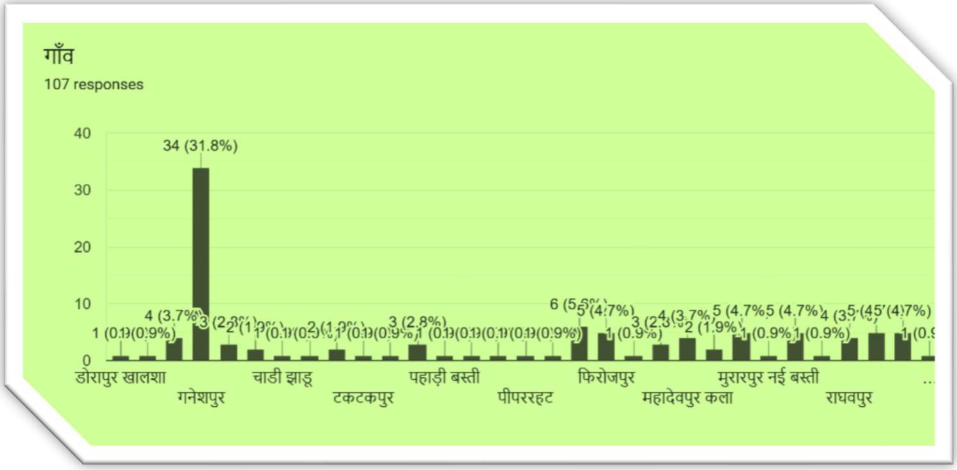

परियोजना क्षेत्र के कुल 26 गांवों में से 23 गावों में किये जा रहे किचन गार्डेन का डाटा संकलित किया गया है। इस आधार पर हम कह सकते है कि 88 प्रतिशत गांवों में किचन गार्डेन को प्रमोट किया गया है। इस पैटर्न के आधार पर समझा जा सकता है कि सबसे अधिक किचना गार्डेन गणेशपुर में लगाये गये है। अन्य गावों में औषतन है।

5. लाभार्थी का वर्गः—

इस पाई चार्ट के आधार पर हम पाते है कि 107 किचन गार्डेन को परिवार से प्रमोट करने में मुख्य रूप से महिला की भूमिका रही है। दूसरे स्थान पर किशोरी बालिका और तीसरे स्थान पर बालक की भूमिका रही है। इस आधार पर हम पाते है कि

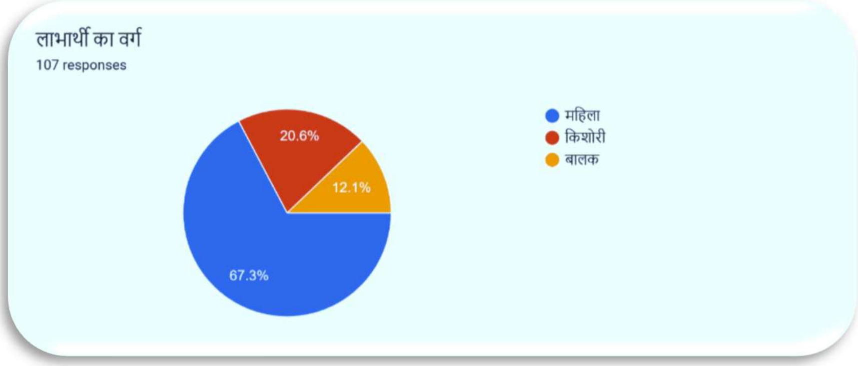

परियोजना का फोकस बिन्दु पर महिला व किशोरी बालिका रही है जिसका सीधा प्रभाव किचन गार्डेन के उपर भी दिख रहा है। स्थानीय परिपेक्ष में हम इसे जेण्डर के आधार पर भी देख सकते है कि किचन गार्डेन के कामो में बालक की भागीदारी नगन्य रूप से दिख रही है।

6. किचन गार्डेन का देखभालः—

इस परिपेक्ष में हम देखते है कि 4 प्रतिशत बालक, 2 प्रतिशत बालिका, 8

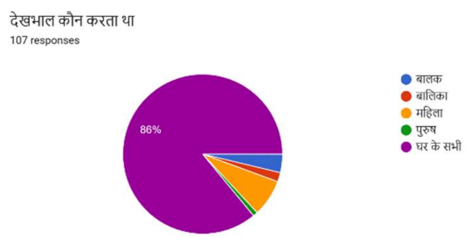

प्रतिशत महिला, 1 प्रतिशत पुरूष और 86 प्रतिशत उत्तरदाता ने बताया कि घर के सभी लोग किचन गार्डेन की देखभाल करते है। उपरोक्त चार्ट के आधार पर तुलना करते है तो पाते है किचन गार्डेन

को स्थापित करने में महिला और किशोरी की भूमिका है और देखभाल में घर के सभी सदस्यो की भागीदारी होती है।

7. जातिगत आधार पर किचन गार्डेन की पहुचः–

जातिगत आधार पर देखें तो पाते है परियोजना क्षेत्र के पात्र लाभार्थीयों में से

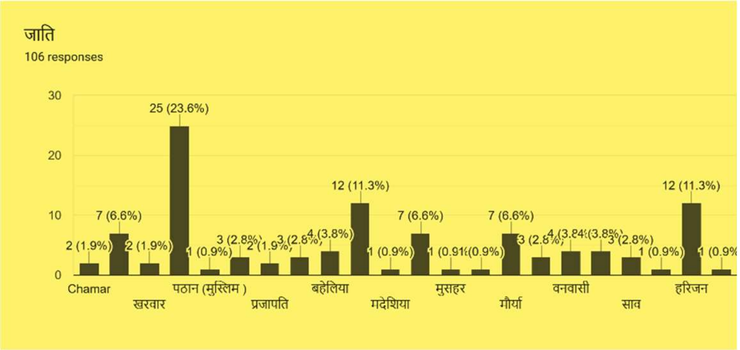

लगभग सभी जातियों में किचन गार्डेन का उपयोग किया गया है। परिवार के संख्या के आधार पर किचन गार्डेन के संख्या को आका जा सकता है। समाज के सबसे गरीब मुसहर समुदाय में भी परियोजना द्वारा किचन गार्डेन को प्रमोट किया गया है।

अगर हम मुसहर समुदाय की किचन गार्डेन तक पहुच की स्थिति को देखें तो पाते है कि कुल 8 परिवारों ने किचन गार्डेन अपने घर के पास में स्थापित किया है। किचन गार्डेन स्थापित करने वाली सभी महिलायें है। जिसमें से 4 परिवार ने परियोजना से बीज प्राप्त किया। 1 परिवार ने कृषि विभाग के बीज का उपयोग किया और 3 परिवारों मे बाजार से बीज खरीद किया। सभी ने हरे पत्तेदार/लतावाला सब्जी उगाया। अधिकांश परिवारों ने बताया कि पौधे की देखभाल घर के सभी सदस्य मिलकार करते है। 5 परिवारो ने माना कि उन्होने अपने घर के आस पास के परिवारों को भी सब्जीयां दिया है जबकि 3 परिवारों ने स्वयं के लिये ही उपयोग किया है। सभी 8 परिवारो ने बताया कि किचन गार्डेन से उसके परिवार के सदस्यो में एनिमिया से मुकित मिली है। 5 परिवारो ने माना कि उनके परिवार के 5 साल के बच्चो को किचन गार्डेन का लाभ मिला है क्योकि बच्चो ने भोजन की मांग बढ़ी है जबकि 3 ने कहा कि बच्चो को कोई फायदा नही हुआ। सभी ने माना कि उनके इस कार्य से अन्य परिवार प्रेरित हुये है। 5 परिवारों ने माना कि उनके परिवार की आय में वृद्धि हुई है और वे इस साल आगे भी किचन गार्डेन करते रहेंगें।

8. किचन गार्डेन का वर्षः–

इस अध्ययन में हमने वर्ष 2022 व 2023 के आधार पर देखने का प्रयास किया है। इस आधार पर हम पाते है कि वर्ष 2022 कुल 68 प्रतिशत परिवारों में किचन गार्डेन का प्रारम्भ किया और वर्ष 2023 में 32 प्रतिशत परिवारों में किचन गार्डेन को स्थापित किया। इस आधार पर

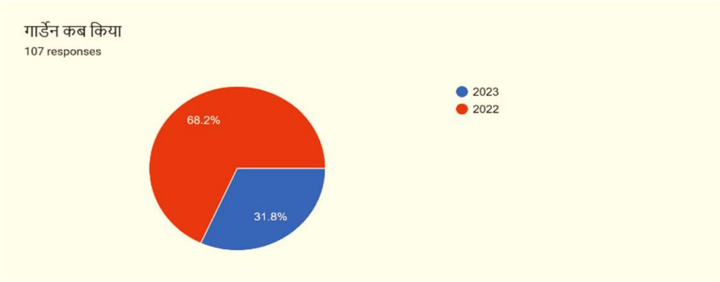

हम देखते है कि 68 प्रतिशत परिवारों ने 3 वर्षो से किचन गार्डेन को बनाये रखा है। जबकि 32 प्रतिशत परिवारों ने 2 साल से किचन गार्डेन को बनाये

रखा है। इस आधार पर पाते है कि परिवारों को किचन गार्डेन से फायदा है। जो कि परियोजना के उददेश्यों के अनुरूप है।

9. किचन गार्डेन का स्थानः–

किचन गार्डेन के स्थान के आधार पर हम देंखे तो पाते है कि 72 प्रतिशत परिवरों ने घर के आसपास में स्थापित किया है जबकि 28 प्रतिशत परिवारों ने अपने परिवार के पास उपलब्ध खेतो में जो घर से दूरी पर स्थित है, स्थापित किया है। इस आधार पर हम पाते है कि परियोजना के उददेश्यों के अनुरूप फोकस सब्जी के उत्पादन पर गया है।

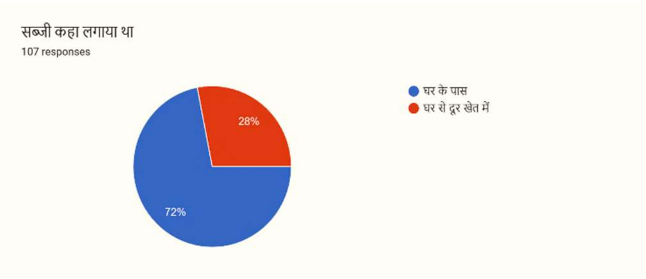

10. किचन गार्डेन के सब्जियों का मार्केटिंगः–

इस अध्ययन में हमने यह देखने का भी प्रयास किया कि जो सब्जियों उगायी गयी क्या उसे बेचा भी गया। इस बिन्दु पर पाया कि 25 प्रतिशत परिवारो ने उगाई गयी सब्जियों को बाजार में बेचा भी है। जबकि 8 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि वे कभी कभी बाजार मे बेच भी देते है। 27 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उन्होने सिर्फ अपने लिये ही उपयोग किया है। जबकि 40 प्रतिशत परिवारो ने बताया कि वे अपने आस पड़ोस में उगाई गयी सब्जियों को बांट देते है। इस आधार पर हम पाते है कि 73 प्रतिशत परिवारों द्वारा उगाई गयी सब्जियां उनके परिवारा की जरूरतो से अधिक उत्पादन हुआ।

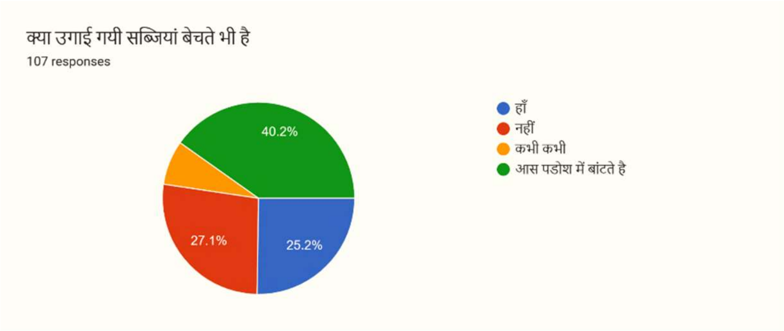

11. किचन गार्डेन से परिवार के आय में वृद्धिः–

उपरोक्त चार्ट के आधार पर देखे तो पाते है कि 73 प्रतिशत परिवारों ने किचन गार्डेन से उगाई गयी सब्जियों को बाजार में बेचा है। इसी के आधार पर 65 प्रतिशत परिवारों ने माना कि उनके परिवार की आय में वृद्धि हुई है और इसका एक कारण किचन गार्डेन भी है। जबकि 35 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उन्हे किचन गार्डेन में माध्यम से परिवार की आय में वृद्धि नही हुई है। जबकि हम इस आधार पर विश्लेषण करते है कि परिवार में किचन गार्डेन से उगाई गयी सब्जियों का जो उपयोग किया है अगर व बाजार से खरीद करता तो आय का एक बड़ा हिस्सा उन्हे चुकाना पड़ता।

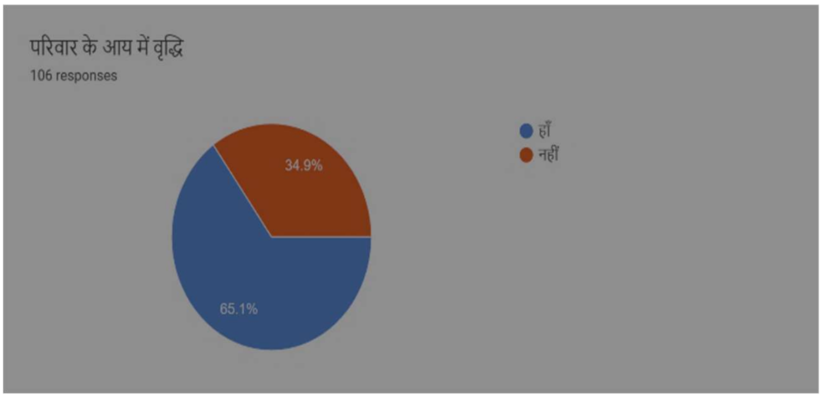

12. किचन गार्डेन से प्रेरणाः–

क्या किचन गार्डेन से आस पास के पड़ोसी व अन्य को प्रेरण मिली है। प्राप्त डाटा के आधार पर कह सकते है कि 100 प्रतिशत प्रेरण मिली है।

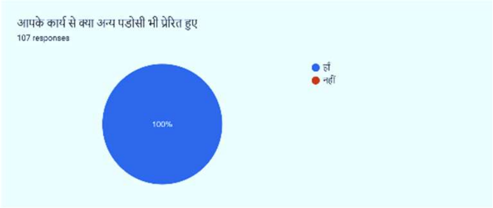

13. किचन गार्डेन हेतु बीज की उपलब्धताः–

इस अध्ययन के डाटा बेस से हम पाते है कि 29 प्रतिशत परिवारों ने बाजार से किचन गार्डेन हेतु बीज की खरीद किया। वही 16 प्रतिशत परिवारों ने कृषि विभाग से बीज सस्ते दामो में प्राप्त किया और इस उपलब्धता में परियोजना टीम का सहयोग रहा। मात्र 1 प्रतिशत परिवारों ने अपने घर के बीज का उपयोग किया और 54 प्रतिशत परिवारों ने संजीवनी परियोजना के मद से बीज का सहयोग प्राप्त किया।

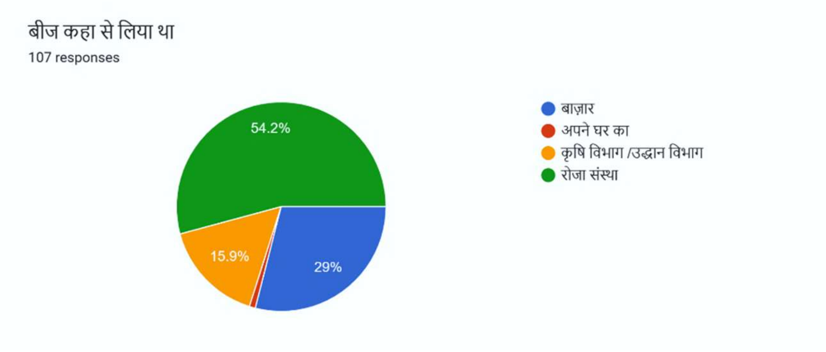

14. सब्जी की किस्मः–

इस आधार पर हम पाते है कि 53 प्रतिशत परिवारों ने लतावाला सब्जी को प्राथमिकता दिया। 15 प्रतिशत परिवारों ने हरे पत्तेदार सब्जी को प्राथमिकता दिया। 32 प्रतिशत परिवारो ने लतावाला और हरे पत्तेदार दोनो प्रकार के सब्जियों को उगाने में प्राथमिकता दिया। जमीन के नीचे उगने वाले सब्जियों को किसी ने नही उगाया। इस आधार पर हम कह सकते है कि परियोजना का उददेश्य के अनुरूप किचन गार्डेन के किस्म का चयन परिवारों ने किया।

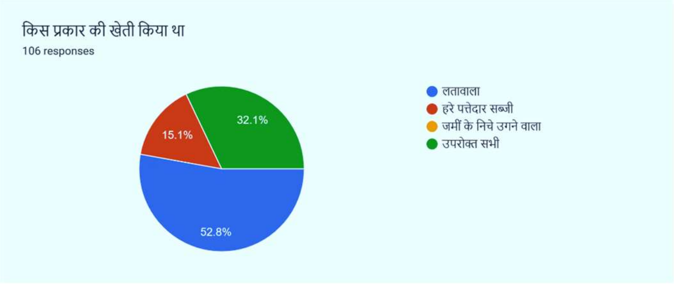

15. भोजन में सब्जी का उपयोग की स्थितिः–

अध्ययन में इस दृष्टिकोण से देखने का प्रयास किया गया कि क्या किचन गार्डेन स्थापित होने, सब्जी का उत्पादन होने से परिवार के नियमित भोजन की थाली में सब्जी का उपयोग बढ़ा। इस संदर्भ में 99 प्रतिशत परिवारों ने माना कि उनके भोजन थाली में सब्जी का उपयोग बढ़ा है। जबकि 1 प्रतिशत परिवार ने माना कि ऐसा नही है। इस आधार पर हम कह सकते है कि परियोजना के उददेश्य के सापेक्ष किचन गार्डेन का प्रभाव पड़ा है।

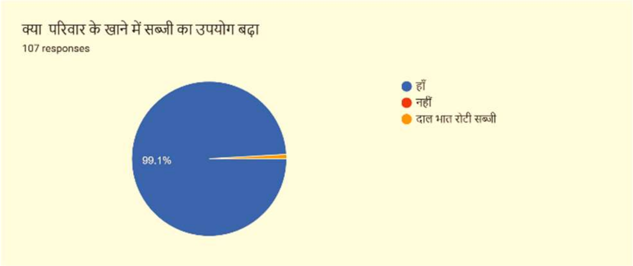

16. परिवार के सदस्यो के स्वास्थ्य में बदलावः–

हमने यह देखने का प्रयास किया कि किचन गार्डेन से परिवार के भोजन की थाली में सब्जी का उपयोग बढ़ा है। इससे परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य स्तर में किस प्रकार से बदलाव आया है। अध्ययन के डाटा के आधार पर यह ज्ञात हुआ कि 69 प्रतिशत परिवारों के महिलाओं, किशोरियों में एनिमिया के लक्षण नही रहें। जबकि 30 प्रतिशत परिवारों में एनीमिया था जो कि बढ़कर सामान्य स्तर पर पहुच गया। एक प्रतिशत ने माना कि उनके परिवार में कोई कुपोषिण से प्रभावित नही हुआ।

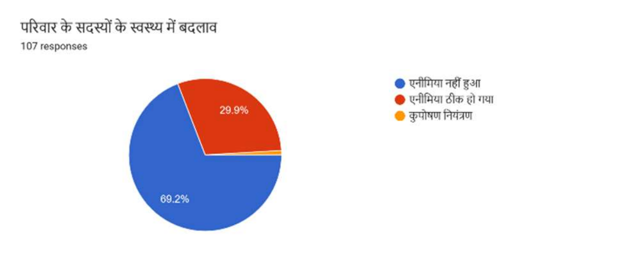

17. 0 से 5 साल के बच्चो को लाभः–

अध्ययन के डाटा से यह जानकारी मिली की 71 प्रतिशत परिवारों मे 5 साल से नीचे के बच्चो को पोषण का लाभ मिला। जबकि 29 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उनके परिवार में इस प्रकार के लाभ का कोई अनुमान नही है। इसी परिपेक्ष में यह सवाल किया गया कि यह कैसे परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य व पोषण में लाभान्वित किया तो 8 प्रतिशत परिवारों ने बताया कि उनके सदस्यो के वजन में वृद्धि हुआ। 8 प्रतिशत ने बताया कि उनके सदस्यो के भोजन के मात्रा में वृद्धि देखने को मिला। 5 प्रतिशत ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यो के भोजन के मांग में वृद्धि देखी गयी।

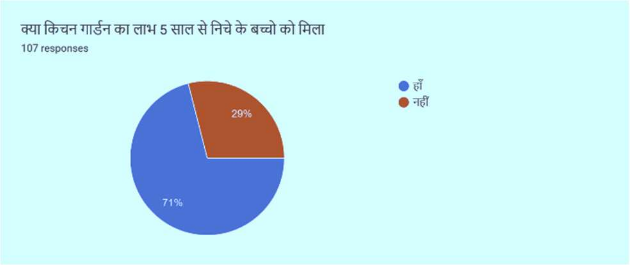

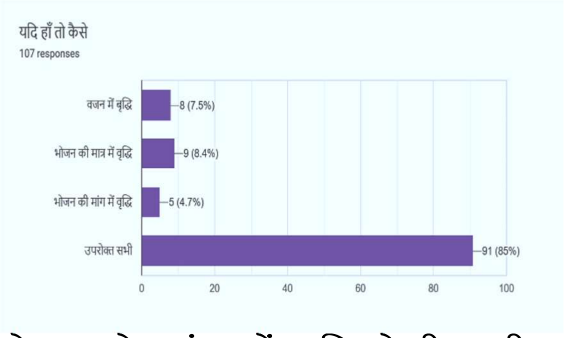

इस आधार पर कह सकते है कि किचन गार्डेन केवल महिला, किशोरी के स्वास्थ्य व पोषण में उपयोगी नही रहा बल्कि 5 साल से नीचे के बच्चो के लिये भी उपयोगी रहा और परियोजना के उददेश्यो को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण योगदान रहा।

<u>18. आगामी फसली चक्र में सब्जी किस्म का चयनः–</u>

इस अध्ययन में इस बिन्दु पर भी फोकस किया गया कि आगामी खरीफ फसल चक्र के दौरान कौन से किस्म के सब्जी उगाने का प्लान है। इसके परिपेक्ष में जो डाटा आया है उसके आधार पर कह सकते है कि शत प्रतिशत परिवारों ने लतावाला

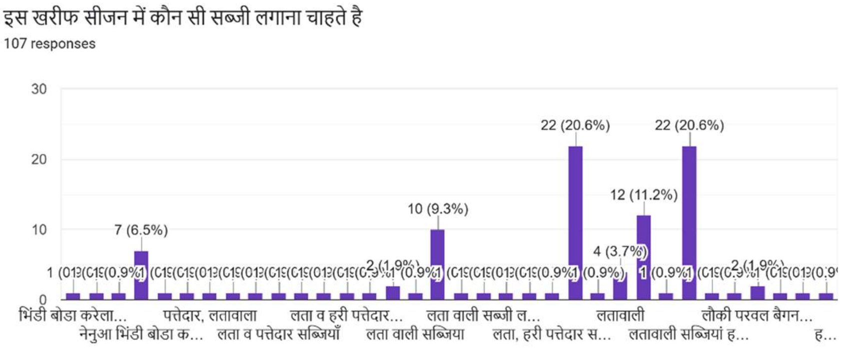

सब्जी उगाने का प्लान किया है।

<u>**संजीवनी परियोजना का आगामी प्लानः–**</u>

इस अध्ययन रिर्पोट के विश्लेषण के आधार पर संजीवनी परियोजना का आगामी प्लान है कि लक्ष्य परिवारों में से कम से कम एक हजार परिवारों को लतावाली सब्जी के बीज उपलब्ध कराये जायेगे। जिसमें नेनुआ, लौकी और सेम के बीज होगें। इसके अलावा सहजन के डाल लगाने के लिये प्रेरित किया जायेगा। हम उन परिवारों को अधिक फोकस करेगें जिनके कोई सदस्य एनीमिया, कुपोषण व किसी बिमारी से ग्रस्त है।

धन्यवाद!!!!

भवदीय,

मुश्ताक अहमद

मुख्य कार्यकारी

“ROSA”

19 मई 2024